समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

तुंगनाथ मंदिर के कपाट हुए बंद, शीतकाल मे मंर्कटेश्वर मंदिर मे होंगे भगवान के दर्शन

Publisher

Published on 06 Nov 2025

पर्वतीय क्षेत्रों में प्रवेश के साथ ही मौसम में बदलाव आने लगा है और इसी के चलते पंचकेदारों में से तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट शीतकालीन बंदी के लिए बंद कर दिए गए हैं। हिमालय की ऊँचाई और कड़कड़ाती ठंड को देखते हुए प्रशासन और मंदिर समिति ने यह निर्णय लिया है। अब श्रद्धालु और यात्री तुंगनाथ भगवान के दर्शन मक्कूमठ स्थित मर्कटेश्वर मंदिर में कर सकेंगे।

तुंगनाथ मंदिर, जो 3,680 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, हिन्दू धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। यहाँ भगवान शिव की तुंगनाथ स्वरूप की प्रतिमा विराजमान है और यह मंदिर पंचकेदार यात्रा के क्रम में तीसरे नंबर पर आता है। कठिन पर्वतीय रास्तों और बर्फबारी के कारण यह मंदिर शीतकाल में श्रद्धालुओं के लिए बंद रहता है।

मर्कटेश्वर मंदिर, जो मक्कूमठ में स्थित है, शीतकालीन दर्शन के लिए परंपरागत रूप से चुना गया है। यहाँ भगवान तुंगनाथ का स्वरूप सुरक्षित रूप से स्थापित किया जाता है और श्रद्धालु अपनी पूजा अर्चना कर सकते हैं। यह व्यवस्था हिमालय की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी भक्तों को भगवान से जुड़ने का अवसर प्रदान करती है।

पंचकेदारों में से तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर का शीतकालीन बंद होना न केवल मौसम की मार से सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि मंदिर परिसर की देखभाल और संरचना की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। मंदिर समिति ने पहले ही सभी भक्तों से अपील की है कि वे शीतकाल में मर्कटेश्वर मंदिर में ही भगवान के दर्शन करें।

भक्तों के लिए यह परिवर्तन कुछ नया अनुभव हो सकता है, लेकिन धार्मिक परंपरा के अनुसार यह आवश्यक कदम है। मर्कटेश्वर मंदिर में आयोजित होने वाली पूजा और अनुष्ठान उसी भव्यता और श्रद्धा के साथ होते हैं, जो तुंगनाथ मंदिर में होती है। यहाँ विशेष रूप से शीतकालीन महीनों में विशेष आरती और भजन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

यात्रियों और तीर्थ यात्रियों के लिए प्रशासन ने सभी आवश्यक सुविधाओं का इंतजाम किया है। मक्कूमठ तक पहुँचने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाए गए हैं और स्थानीय प्रशासन द्वारा ट्रैकिंग और सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इससे यह सुनिश्चित

होता है कि भक्त सुरक्षित रूप से भगवान तुंगनाथ के दर्शन कर सकें।

मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन की इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है। शीतकालीन बंदी के दौरान मंदिर परिसर का रखरखाव और मरम्मत का कार्य भी सुनिश्चित किया जाता है, ताकि गर्मियों में मंदिर फिर से भक्तों के स्वागत के लिए तैयार हो।

भक्त इस अवसर पर मर्कटेश्वर मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन कर अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं और स्थानीय परंपराओं के अनुसार पूजा-पाठ में हिस्सा लेते हैं। इसके साथ ही यह यात्रा भी एक धार्मिक अनुभव के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने का अवसर देती है।

इस तरह, तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर का शीतकालीन बंद होना एक परंपरागत और आवश्यक प्रक्रिया है, जो हिमालय की कठोर जलवायु और भक्तों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनाई जाती है। मर्कटेश्वर मंदिर में भगवान तुंगनाथ का शीतकालीन विराजमान होना इस धार्मिक परंपरा की जीवंतता और भक्तों की श्रद्धा का प्रतीक है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.